अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में गठित एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमेटी (AQMC) की दिनांक 07.10.2022 को नरही स्थित वन मुख्यालय के पारिजात सभाकक्ष में हाइब्रिड मोड में सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त।

"राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम" के अन्तर्गत प्रदेश के 17 नॉन अटेन्मेंट नगरों यथा लखनऊ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद, मेरठ, अनपरा, बरेली, फिरोजाबाद, गजरौला, खुर्जा, झाँसी, रायबरेली, मुरादाबाद, गोरखपुर, एवं नोएडा में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त धनराशि का वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु उपयोग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु स्वीकृत धनराशि के अवमुक्त किये जाने हेतु वांछित/ प्रस्तावित गतिविधियों, आगामी शीत काल के दौरान उक्त नगरों में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जाने वाले उपायों आदि के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 07.10..2022 को पूर्वान्ह 03:45 बजे नरही स्थित वन मुख्यालय के पारिजात सभाकक्ष में हाइब्रिड मोड में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमेटी (ए0क्यू0एम0सी0) की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में समस्त नॉन अटेन्मेंट नगरों के नगर आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य विभागो के संबंधित अधिकारियों द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा शासन स्तर एवं मुख्यालय के अधिकारगण द्वारा भौतिक रूप से प्रतिभाग किया।

2– सर्वप्रथम सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा बैठक में समस्त अधिकारियों का स्वागत करते हुए अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अनुमति से बैठक प्रारम्भ की गयी। बैठक के दौरान सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों की वायुगुणता के सुधार हेतु विस्तृत रूप से विचार–विमर्श किया गया, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

- शीत ऋतु में वायुगुणवत्ता खराब होने की दशा में GRAP के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश के राजधानी क्षेत्र (एन0सी0आर0) के नगरों में दिनांक 01.10.2022 से Revised GRAP लागू है तथा सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों में पूर्ववत GRAP क्रियान्वित है।
- PRANA Portal पर सूचनायें सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों के नगर निकायों में नामित नोडल अधिकारियों द्वारा भरा जाना है। इस सम्बन्ध मे अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निकायों में नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सूचनाओं को PRANA Portal पर भरे जाने मे विलम्ब न करें तथा कन्वर्जन्स स्कीम की सभी सूचनायें PRANA Portal पर उपलब्ध करायें।
- वित्तीय वर्ष 2022–23 की वार्षिक कार्ययोजना की सूचनायें अभी अपलोड नहीं की गयी है, जिन्हें समयबद्ध रूप से अपलोड कराया जाये।
- सिटी इम्पलीमेन्टेशन कमेटी की प्रतिमाह बैठक होनी चाहिए तथा बैठक के कार्यवृत्त उपलब्ध कराये जाये।
- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के सम्बन्ध में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्गत गाइडलाइन के सम्बन्ध में सभी नगर निकायों को स्वमूल्यांकन आख्या (Self Assessment Report) निर्धारित समयान्तर्गत PRANA Portal पर नगर निकायों द्वारा अपलोड नहीं की जा रही है। इस सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित नगर

आयुक्तों को नगरों की रैंकिंग हेतु स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की विभिन्न गतिविधियों की समय–सीमा के बारे में अवगत कराया गया। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की गाईडलाइन PRANA Portal पर उपलब्ध है। इस सम्बन्ध में सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ द्वारा यह सुझाव दिया गया कि सभी नगर निकायों में पर्यावरण अभियन्ता तैनात है, उनके साथ 01 जे0आर0एफ0 / एस0आर0एफ0 की टीम का गठन करायें। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

- सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों में GRAP के क्रियान्वयन हेतु Task Force का गठन सुनिश्चित करें। तत्क्रम में नगर आयुक्त, प्रयागराज में उक्त के गठन को आगामी सप्ताह में कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत वन विभाग को अवमुक्त की गयी धनराशि की सम्पूर्ण उपयोगिता नहीं की गयी है। तत्क्रम में डी0एफ0ओ0, आगरा द्वारा अवगत कराया गया कि रू0 66.00 लाख का उपयोगिता प्रमाण पत्र उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रेषित किया जा चुका है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज एवं वाराणसी नगरो के प्रभागीय वनाधिकारियों को तत्काल पूर्व निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास भी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि शेष है। तत्क्रम में सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त धनराशि मोबाईल इन्फोर्समेन्ट यूनिट के क्रय हेतु उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास शेष है तथा उक्त के सम्बन्ध में बोर्ड द्वारा शासन को पत्र भी प्रेषित किया गया। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सम्बन्धित नगर निकायों को मोबाईल इन्फोर्समेन्ट यूनिट के क्रय हेतु अपनी सहमति उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

3– सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदेश के समस्त नॉन–अटेन्मेन्ट नगरो में स्थापित वायुगुणता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त ए0क्यू0आई0 आकड़ों, पी0एम0–10 एवं 2.5 आकड़ों का नगरवार प्रस्तुतिकरण करते हुए नगरों की वायुगुणता को प्रभावित करने के सम्बन्ध में फोटोग्राफ भी प्रस्तुत किये गये। प्रस्तुतिकरण के दौरान विभिन्न नगरों हेतु दिये गये निर्देश/सुझाव निम्नवत् हैः–

(i) नगर निगम, आगरा–

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि आगरा नगर में पी0एम0–10 के वार्षिक औसतन मान में 15 प्रतिशत की कमी का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। अतः आगरा को वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु रू0 47.00 करोड़ की आवंटित राशि में से मात्र रू0 35.25 करोड़ अवमुक्त किये जायेंगे।

तत्क्रम में पर्यावरण अभियन्ता, नगर निगम द्वारा अवगत कराया गया कि आगरा में आई0सी0सी0 के माध्यम से कार्य किया जा रहा है, ट्रैफिक कोरिडोर में वर्टिकल गार्डन स्थापित हो रहे है तथा नगर में गार्बेज बर्निंग से सम्बन्धित शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। आगरा नगर में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु अच्छा कार्य किया जा रहा है।

सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर में मकेनिकल स्ट्रीट स्वीपिंग का कार्य करें तथा मकेनिकल स्ट्रीट स्वीपिंग मशीन को खरीदने के स्थान पर उनका सर्विस कान्ट्रेक्ट करें। नगर में हॉट स्पॉट एरिया पर कैमरा लगाकर आई0सी0सी0 के माध्यम से सेकेण्ड लेवल मॉनिटरिंग करें। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा ट्रैफिक कन्जेशन को रोकने के लिए वैकल्पिक मार्ग चिन्हित करने के निर्देश दिये गये तथा निर्देशित किया गया कि ट्रैफिक विभाग नगर के क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण करके उसकी रिपोर्ट प्रेषित करें। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि मैट्रो आगरा के कन्स्ट्रक्शन कार्यों से 06 स्थानो में अत्याधिक धूल जनित हो रही है तथा जल निगम की सीवर लाइन पड़ रही है। तत्क्रम में अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा मैट्रो आगरा को निर्देशित किया गया कि कन्स्ट्रक्शन के साथ–साथ उससे जनित धूल के निस्तारण को भी सुनिश्चित करें। तत्क्रम में संचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी, आगरा को निर्देशित किया गया कि निरीक्षण कर मेट्रो आगरा को नोटिस भेजें तथा जल निगम के विरूद्ध क्षेत्रीय अधिकारी एवं नगर निगम कार्यवाही करें। नगर निगम को एक सप्ताह का अभियान चलाने तथा डस्ट कण्ट्रोल ऑडिट की कम्प्लाइन्स कराने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही – नगर निगम/जल निगम (नगरीय एवं ग्रामीण)/आगरा मेट्रो रेल कारपोरेशन/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(ii) नगर निगम, कानपुर

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा कानपुर नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया गया कि कानपुर नगर में मेट्रो एवं एन0एच0आई0 की विभिन्न परियोजनाओं से धूल जनित हो रही है तथा पर्यावरण अभियन्ता कानपुर, नगर निगम को निर्देशित किया गया कि इसके निस्तारण में एक विशेष अभियान चलाया जाये। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर में विभिन्न स्थानों पर पड़े पुराने कूड़े के निस्तारण की व्यवस्था की जायें तथा एयरपोर्ट को नो डस्ट जोन बनाया जायें। क्षेत्रीय अधिकारी, कानपुर द्वारा अवगत कराया गया कि जाजमऊ टेनरी इफ्लुएन्ट एसोसिएशन (JTETA) की एस0टी0पी0 की सीवर लाइन पड़ रही है, जिससे पूरा क्षेत्र प्रदूषित है। तत्क्रम में सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा JTETA को इसके निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया तथा क्षेत्रीय अधिकारी, कानपुर को JTETA को नोटिस देने तथा पन्द्रह दिनो में कार्यवाही न किये जाने की दशा में Environmental Compensation अधिरोपित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम/कानपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन/यातायात पुलिस/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण /जॉजमऊ टेनरी इफ्लुएन्ट एसोसिएशन (JTETA)/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(iii) नगर निगम, वाराणसी

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा वाराणसी नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आकड़ों एवं वायु प्रदूषण

संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया गया कि वाराणसी नगर में भेलूपुर एवं मलदहिया में स्थापित सतत् परिवेशीय वायु गुणवत्ता अनुश्रवण केन्द्रों के आकड़े नगर की वायुगुणता को खराब कर रहे हैं, जोकि चिन्ताजनक है। तत्क्रम में अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, वाराणसी द्वारा अवगत कराया गया कि मलदहिया चौराहे पर मार्ग निर्माण का कार्य चल रहा है, जो कि जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा। नगर निगम द्वारा C&D Waste Management की Tendering प्रक्रिया में विलम्ब होने के कारण उक्त मद में प्राप्त धनराशि का उपयोग नहीं हो पाया है तथा Tender Bidding की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् दिनांक 15.09.2022 तक शेष धनराशि का उपयोग कर लिया जायेगा।

(कार्यवाही – नगर निगम/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(iv) नगर निगम, गाजियाबाद

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा गाजियाबाद नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया गया कि गाजियाबाद नगर में पी0एम0–10 के वार्षिक औसतन मान में 15 प्रतिशत की कमी निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त ना करने के कारण वित्तीय वर्ष–2022–23 में कोई भी धनराशि अवमुक्त नहीं की जायेगी। तत्क्रम में नगर आयुक्त, नगर निगम, गाजियाबाद द्वारा लोनी नगर पालिका परिषद में स्थापित सतत् परिवेशीय वायु गुणवत्ता अनुश्रवण केन्द्र का संदर्भ ग्रहण कराया गया। तत्क्रम में सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि यदि उक्त अनुश्रवण केन्द्र को हटा दे तो भी वसुन्धरा में स्थापित सतत् परिवेशीय वायु गुणवत्ता अनुश्रवण केन्द्र नगर की वायु गुणता को कुप्रभावित कर रहा है। नगर आयुक्त द्वारा प्रति उत्तर में अवगत कराया गया कि वहाँ पर Rapid Rail का कार्य चल रहा है। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा इन्दिरापुरम में बढ़ रहे वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए आवश्यक माइक्रो प्लानिंग करने तथा ट्रैफिक कन्जेशन हेतु सप्ताहिक अभियान चलाने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान अवगत कराया गया है कि इन्दिरापुरम का क्षेत्र व्यावसायिक होने के कारण पार्किंग की समस्या आ रही है, जिसकी दीर्घकालिक योजना बनायी जा रही है। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा यातायात विभाग को निर्देशित किया गया कि नगर के टान्सपोर्टर एसोसिएशन के माध्यम से नगर के सभी एन्ट्री प्वाइन्ट पर वाहनों का निरीक्षण किया जायेगा तथा वाहनो को साफ किये जाने के उपरान्त ही उन्हें नगर के अन्दर प्रवेश दिया जाये।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस)

(v) नगर निगम, लखनऊ

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा लखनऊ नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रो से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2021–22 में वायुगुणता में सुधार हुआ है परन्तु मई–जून, 2022 में पी0एम0–10 और पी0एम0–2.5 की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुयी है, जिसके कारण ए0क्यू0आई0 में अच्छे दिनों (Good days AQI<200) में घटोत्तरी हुयी है। तत्क्रम में पर्यावरण अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ द्वारा यह अवगत कराया गया कि तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र में टिम्बर एवं बिल्डिंग

मटेरियल से सम्बन्धित दुकाने संचालित है तथा Unpaved Road के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम को यह निर्देशित किया गया कि इस पर सख्त कार्यवाही किया जाये तथा पुलिस अधीक्षक यातायात को क्षेत्रीय अधिकारी के साथ निरीक्षण कर ट्रैफिक की समस्या दूर करने हेतु कार्य किये जाये। नगर निगम को निर्देशित किया गया कि अपशिष्ट जलाने की घटनाओं पर प्रतिबन्ध लगया जाये तथा परिवेशीय वायु गुणवत्ता अनुश्रवण केन्द्रों के पास स्थापित मोटर मैकेनिक की दुकानों को स्थानान्तरित करें।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(vi) नगर निगम, मेरठ

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा मेरठ नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2021–22 में वायुगुणता में सुधार हुआ है परन्तु मई–जून, 2022 में पी0एम0–10 और पी0एम0–2.5 की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुयी है, जिसके कारण एवं ए0क्यू0आई0 में अच्छे दिनों (Good days AQI<200) में घटोत्तरी हुयी। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम को यह निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्य अपशिष्ट को हटाने हेतु साप्ताहिक अभियान चलायें एवं उसके फोटोग्राफ अपलोड करें। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा फोटोग्राफ्स प्रस्तुतिकरण करते हुए नगर निगम को निर्देश दिया गया कि कैन्टोनमेन्ट क्षेत्र में Garbage Dumping Site पर कैमरा लगाना सुनिश्चित करें। तत्क्रम में सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देश दिया गया कि Garbage Dumping Site पर कैमरा न लगाए जाने की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध Environmental Compensation (EC) लगाया जाए।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(vii) नगर निगम, प्रयागराज

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रयागराज नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ्स प्रस्तुतिकरण करते हुए निर्देश दिया गया कि MNIT एवं Jhunsi में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों के आसपास कार्यवाही करने की आवश्यकता है। मार्गों से जनित धूल के निस्तारण हेतु मैकेनिकल रोड स्वीपर पर्याप्त नहीं है, इस पर कार्यवाही कराये जाने की आवश्यकता है।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(viii) नगर निगम, गोरखपुर

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा गोरखपुर नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रो से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ्स का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया गया कि गोरखपुर नगर में एयर क्वालिटी में सुधार हुआ है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर आयुक्त को यह अवगत कराया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत नगर निगम, गोरखपुर को अवमुक्त की गयी है। धनराशि की

उपयोगिता की अद्यतन स्थिति चिंताजनक है। तत्क्रम में नगर आयुक्त द्वारा सूचित किया गया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि की उपयोगिता के कार्ययोजना बनायी गयी है, जिसके अन्तर्गत नगर में End to End Paving, Establishment of Vertical garden एवं Procurement of Water Sprinklers का कार्य किया जाएगा।

(कार्यवाही– नगर निगम)

(ix) नगर पंचायत, अनपरा

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अनपरा नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रो से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि अनपरा नगर में पावर प्लांट तथा औड़ी–शक्तिनगर की रोड बन रही है जोकि वायु प्रदूषण के मुख्य कारण है। अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत अनपरा को निर्देश दिया गया कि वह क्षेत्रीय अधिकारी के साथ पावर प्लांट एवं कोल माइंस का संयुक्त निरीक्षण करवायें।

(कार्यवाही – नगर पंचायत/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(x) नगर निगम, बरेली

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा बरेली नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि बरेली द्वारा नगर में रोड डस्ट वायु प्रदूषण के मुख्य कारण है। मुख्य अभियंता, नगर निगम, बरेली द्वारा अवगत कराया गया कि रोड डस्ट की समस्या से निवारण हेतु लिए कार्य चल रहा है, 4 मैकेनिकल स्ट्रीट स्वीपर उपलब्ध है एवं मैकेनिकल स्ट्रीट स्वीपर क्रय करने के लिए सर्विस कॉन्ट्रैक्ट किया गया है। तत्क्रम में सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निर्देशित किया गया कि मैकेनिकल स्ट्रीट स्वीपर्स की संख्या बढ़ाई जाए।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(xi) नगर निगम, फिरोजाबाद

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा फिरोजाबाद नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि फिरोजाबाद का एयर क्वालिटी परफार्मेन्स अच्छा है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को निर्देशित किया कि सतत् वायुगुणता अनुश्रवण केन्द्रों के क्षेत्र की मॉनिटरिंग पर कार्य करें तथा स्वच्छ वायु सर्वेक्षण को PRANA Portal पर अपलोड करवायें।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(xii) नगर पालिका परिषद, गजरौला

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा गजरौला नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि गजरौला में इस वर्ष वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है, जिसका मुख्य कारण ट्रैफिक और रोड डस्ट है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा यातायात

विभाग को यह निर्देशित किया गया कि ट्रैफिक की समस्या दूर करने हेतु कार्यवाही कर वायुगुणता में सुधार लायें।

(कार्यवाही – नगर पालिका परिषद/यातायात पुलिस)

(xiii) नगर निगम, झांसी

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा झांसी नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वायु प्रदूषण बढ़ा है, जिसका मुख्य कारण रोड डस्ट है एवं उस पर कार्यवाही की आवश्यकता है। इस बात की पुष्टि अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा भी की गयी।

(कार्यवाही – नगर निगम/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(xiv) नगर पालिका परिषद, खुर्जा

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा खुर्जा नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वायु प्रदूषण में सुधार हुआ है। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सेनेटरी इनस्पेक्टर रोबिन सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान करने की अनुशंसा की गयी।

(कार्यवाही – नगर पालिका परिषद, खुर्जा)

(xv) नगर निगम, मुरादाबाद

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा मुरादाबाद नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए अवगत कराया कि मुरादाबाद नगर में रोड डस्ट की समस्या है एवं सीवर का कार्य चल रहा है। तत्क्रम में सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी को यह निर्देश दिया गया कि जहाँ कहीं भी रोड डस्ट एवं सीवर की समस्या दिख रही है उन कन्स्ट्रक्शन प्रोजेक्ट के प्रोपोनेन्ट को नोटिस जारी किया जायें।

(कार्यवाही – नगर निगम/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(xvi) नोएडा अथारिटी, नोएडा

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नोएडा नगर में स्थापित वायुगणुता अनुश्रवण केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ो एवं वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए यह अवगत कराया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है, जिसका मुख्य कारण ट्रैफिक और रोड डस्ट है तथा निर्देशित किया कि इस पर कार्यवाही कर वायुगुणता में सुधार लायें। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी को यह निर्देशित किया कि कन्स्ट्रक्शन साइट पर ग्रीन नेट फटी पाये जाने पर जुर्माना लगाया गया।

(कार्यवाही – नोएडा अथारिटी/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

(xvii) नगर निगम, रायबरेली

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा रायबरेली नगर के वायु प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ का प्रस्तुतिकरण करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देशित किया कि नगर में स्थापित सतत् वायु अनुश्रवण केन्द्र के आंकड़ों का पूर्व वर्ष के आंकड़ों से तुलना करें तथा नगर निगम को निर्देशित किया कि रोड डस्ट की समस्या के निवारण हेतु मैकेनिकल स्ट्रीट स्वीपर के क्रय सम्बन्धित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराकर अवगत करायें। अपर मुख्य सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा यातायात विभाग को निर्देशित किया गया कि क्षेत्रीय अधिकारी की सहायता से नगर में ट्रैफिक की समस्या के निवारण हेतु वैकल्पिक मार्ग (Route) को चिन्हित करें तथा क्षेत्रीय अधिकारी को यातायात विभाग से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिये।

(कार्यवाही – नगर निगम/यातायात पुलिस/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

4– बैठक के अन्त में अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निम्न निर्देश भी दिये गये :–

- वायु प्रदूषण एक महत्वपूर्ण समस्या है। इस सम्बन्ध में तत्काल एवं समयबद्व रूप से कार्यदायी विभागों से समवय कार्यवाही करें, जिससे वायु गुणवत्ता नियंत्रित रहे।
- रोड डस्ट एवं व्हीकल कन्ट्रोल पर कार्य किया जाये।
- जल निगम अपने कार्यों को Priortise करें।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अधिक कार्यवाही की आवश्यकता है।
- सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों में GRAP का क्रियान्वयन किया जाये एवं इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये ।
- प्रदेश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के नगरों में Revised GRAP लागू किया जाये।
- अन्य नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों में पूर्ववत GRAP क्रियान्वित करें। इस सम्बन्ध में क्षेत्रीय अधिकारी, जिलाधिकारी के साथ बैठक आयोजित कराकर सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरो में Task Force गठित करायें।

अन्त में बैठक धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुई।

मनोज सिंह
अपर मुख्य सचिव।

उत्तर प्रदेश शासन
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग–7
संख्या–1337/81–7–2022–09(रिट)/2016
लखनऊ : दिनांक :28 अक्टूबर, 2022

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– अपर मुख्य सचिव, नगर विकास/आवास एवं शहरी नियोजन/सिंचाई एवं जल संसाधन/लोक निर्माण/गृह/परिवहन/अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास/कृषि/उद्यान विभाग, उ0प्र0 शासन।

2– आयुक्त, खाद्य एवं आपूर्ति, उ0प्र0 लखनऊ।

3– प्रधान मुख्य वन संरक्षण और विभागाध्यक्ष, उ0प्र0, लखनऊ।

4— मुख्य कार्यपालिका अधिकारी, यूपीसीडा, उ0प्र0, कानपुर।
5— मुख्य कार्यपालिका अधिकारी, नोएडा/ग्रेटर अथॉरिटी।
6— निदेशक, पर्यावरण, उ0प्र0 लखनऊ।
7— डा0 सच्चिदानन्द त्रिपाठी, प्रोफेसर, आई0आई0टी0, कानपुर।
8— क्षेत्रीय निदेशक, क्रेन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय नार्थ जोन, लखनऊ।
9— सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ।
10— क्षेत्रीय अधिकारी, ईस्ट एण्ड वेस्ट, एन0एच0आई0, लखनऊ।
11— पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्त, यातायात, लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हापुड़, अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।
12— संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी (सदस्य संयोजक, जिला पर्यावरण समिति)/नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी/एवं क्षेत्रीय अधिकार, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हापुड़, अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।
13— सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हापुड, अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।
14— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ओम प्रकाश)
अनु सचिव।